

00082

**M.Ed. SPECIAL EDUCATION-VISUAL  
IMPAIRMENT (MEDSEVI)**

**Term-End Examination**

**December, 2017**

**MMDE-072 : CURRICULUM AND TEACHING  
STRATEGIES FOR CHILDREN WITH VISUAL  
IMPAIRMENT**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 75*

---

**Note :** *Part - A and Part - B are compulsory.*

---

**PART - A**

Write short notes on any three of the following questions (1 - 5). Each question carries 5 marks.

1. Impact of visual impairment on language development. 5
2. Importance of vocabulary for visually impaired. 5
3. Importance of plus curricular activities. 5
4. Principles involved in Braille material preparation ? 5
5. Challenges in implementation of CBR programme. 5

## PART - B

Attempt any four questions from Part-B. Question No. 11 is compulsory. Each question carries 15 marks.

6. How do you motivate visually impaired children to acquire auditory skills ? Suggest some activities. 15
7. What are various skills required to learn Braille reading ? Suggest few activities for improving Braille reading. 15
8. Define blindness. Discuss its implications in the education of children with visual impairment. 15
9. Discuss the challenges faced by the Conventional Braille Press in India for high-tech Computerized Braille production. 15
10. Differentiate between teacher made tactile aids and machine made tactile aids with examples. 15
11. How does vocational guidance help the students in making career options ? As a vocational counsellor, what aspects you will consider for vocational guidance programmes to visually impaired. 15

OR

- What is the significance of social skills ? Identify some problem areas where social skills training is useful for visually impaired. 15

एम.एड. विशेष शिक्षा-दृष्टिबाधिता  
( एम.ई.डी.एस.ई.वी.आई. )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.एम.डी.ई.-072 : दृष्टिबाधित बच्चों के लिए पाठ्यक्रम एवं  
शिक्षण प्रणालियाँ

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 75

नोट : भाग - अ एवं भाग - ब दोनों अनिवार्य हैं।

भाग - अ

निम्नलिखित प्रश्नों (1 - 5) में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर  
लिखें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. भाषा विकास पर दृष्टिबाधिता का प्रभाव। 5
2. दृष्टिबाधितों के लिए शब्दकोष का महत्व। 5
3. प्लस पाठ्यक्रम की गतिविधियों का महत्व। 5
4. ब्रेल सामग्री निर्माण में सम्मिलित सिद्धान्त। 5
5. सी.बी.आर. कार्यक्रम के क्रियान्वयन में चुनौतियाँ। 5

## भाग - ब

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर भाग-ब से लिखें। प्रश्न संख्या 11 अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

6. श्रवण कौशलों को अर्जित करने के लिए दृष्टिबाधित बालकों को आप कैसे प्रेरित करेंगे? कुछ गतिविधियों का सुझाव दीजिए। 15
7. ब्रेल पाठन सीखने के लिए आवश्यक विभिन्न कौशल क्या हैं? ब्रेल पाठन में सुधार के लिए कुछ गतिविधियों का सुझाव दीजिए। 15
8. अन्धता को परिभाषित कीजिए। दृष्टिबाधित बालकों के शिक्षा में इसके निहितार्थों की चर्चा कीजिए। 15
9. भारत में उच्च तकनीकी कम्प्यूटराइज्ड ब्रेल निर्माण के लिए पारम्परिक ब्रेल प्रेस द्वारा सामना की गयी चुनौतियों की चर्चा कीजिए। 15
10. उदाहरण सहित अध्यापक निर्मित स्पर्श सहायक सामग्री व मशीन निर्मित स्पर्श सहायक सामग्री में अन्तर कीजिए। 15
11. कैरियर अवसरों को बनाने में व्यवसायिक निर्देशन कैसा सहायता करता है? एक व्यवसायिक परामर्शदाता के रूप में आप दृष्टिबाधित बालकों के व्यवसायिक निर्देशन कार्यक्रम के लिए किन पक्षों का ध्यान रखेंगे? 15

### अथवा

सामाजिक कौशलों का क्या महत्व है? कुछ समस्या क्षेत्रों की पहचान कीजिए जहाँ सामाजिक कौशलों का प्रशिक्षण दृष्टिबाधित छात्रों के लिए लाभदायक है। 15